

लरिकई स्त्री. (हि. लरिकाई.) 1. बचपन 2. बाल्यावस्था 3. लडकों का आचरण 4. चंचला उदा. बहुधनुहीं तोरिउँ लरिकाई- रामचरित मानस बालकाण्ड।

लरिक-सलोरी स्त्री. (देश.) 1. बालोचित शैतानी 2. लडकों की नटखटी बाललीला।

लरिका पुं. (देश.) लडका उदा. जो लरिका कछु अचगरि करहीं गुरुपितुमातु मोद मन भरहीं- रामचरितमानस।

लरिकाई स्त्री. (देश.) 1. बाल्यावस्था 2. बचपना 3. नादानी।

लरिकिनि स्त्री. (देश.) लडकी या लडकियाँ।

लरी स्त्री. (देश.) 1. लड़ी या लडियाँ *अ.क्रि.* लड़ाई की 2. झगड़ा किया, झगड़ी।

ललंतिका स्त्री. (तत्.) नीचे अर्थात् नाभि तक लटकने वाला हार, मोह।

लल वि. (तत्.) 1. कंपित 2. हिलाने वाला 3. प्रेमी 4. क्रीड़ाशील पुं. 1. एक गंधद्रव्य 2. अंकुर 3. उद्यान पुं. (देश.) सारतत्व स्त्री. (देश.) 1. असत्य बात, झूठ 2. धोखा देने के लिए कही जाने वाली बात।

ललक स्त्री. (देश.) 1. ललकने का भाव, स्थिति का गुण 2. उत्कट इच्छा।

ललकना अ.क्रि. (देश.) 1. किसी वस्तु के लिए अत्यधिक उत्सुक होना 2. उमंग से भर जाना 3. तीव्र लालसा होना।

ललकार स्त्री. (देश.) 1. ललकारने की क्रिया या भाव 2. युद्ध के लिए आह्वान 3. किसी को लड़ने के लिए बढ़ावा देना।

ललकारना स.क्रि. (देश.) 1. विपक्षी या शत्रु को लड़ने की चुनौती देना 2. बढ़ावा देना।

ललकित वि. (तत्.) गहरी चाह से प्रेरित।

ललचना अ.क्रि. (देश.) किसी अभिलषित वस्तु की प्राप्ति के लिए उत्सुक होना, अधीर होना, लालसा करना।

ललचाना स.क्रि. (देश.) 1. किसी को कुछ आशा बँधाकर या कोई लोभ दिखाकर अधीर करना 2. कोई लुभावनी चीज दिखाकर पाने के लिए व्याकुल करना।

ललचौहाँ वि. (देश.) 1. लालच में आया हुआ 2. लालच उत्पन्न करने वाला।

ललछौहाँ वि. (देश.) हल्के लाल रंग की आभा वाला, रक्ताभ।

ललजिह्व वि. (तत्.) 1. जीभ को मुँह के बाहर निकालकर लपलपाता हुआ 2. भयानक पुं. 1. कुत्ता 2. उष्ट्र 3. सर्प।

ललदेया पुं. (देश.) अगहन मास में होने वाला एक प्रकार का धान।

ललन पुं. (तत्.) 1. आमोद, क्रीड़ा 2. जीभ को मुँह से बाहर निकालना 3. छोटा बालक, बच्चा 4. नायक के लिए एक प्रेमपूर्ण संबोधन 5. साल वृक्ष 6. चिरोंजी का वृक्ष।

ललना स्त्री. (तत्.) 1. स्त्री 2. कामिनी, रमणी 3. जीभ 4. एक समवर्णिक वृत्त जिसके प्रत्येक चरण में भगण, मगण और दो सगण होते हैं।

ललनाचक्र पुं. (तत्.) परवर्ती हठयोगियों के अनुसार शरीर के अंदर स्थित एक कमल या चक्र जो अष्ट-कमल और षट्-चक्र से भिन्न है।

ललनाप्रिय पुं. (तत्.) 1. कदंब का वृक्ष 2. एक गंधद्रव्य वि. 1. जीभ को प्रिय लगने वाला, स्वादिष्ट 2. रमणी को प्रिय लगने वाला।

ललनिका स्त्री. (तत्.) 1. छोटी स्त्री 2. तुच्छ स्त्री।

ललनी स्त्री. (तद्.) 1. बाँस की नली 2. पतली नली।

ललमुँहाँ वि. (देश.) लाल मुँह वाला।

ललरी स्त्री. (देश.) कान की लोलकी।

ललही-छठ स्त्री. (देश.) भाद्रकृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि, हलछठ।